श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, महिला आश्रम, भीलवाड़ा (राज.)

I.Q.A.C. Session 2017-2018

Internal Quality Assurance Cell

आन्तरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद

(प्रथम बैठक)

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, की गठित आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद् शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने, छात्राध्यापिकाओं को उत्तम गुणवत्ता युक्त प्रभावी शिक्षा प्रदान करने, उनका सर्वागींण विकास करने, अध्यापक शिक्षा की बहुआयामी विकास कर उसके स्तर को बढ़ाने में निरन्तर प्रत्यनशील है । इस परिषद में निम्नलिखित सदस्य है–

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य, मैनेजमेन्ट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्ता)
4. श्री महावीर प्रसाद त्रिपाठी (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. श्री शरद कुमार रजनी (अभिभावक प्रतिनिधि)
6. डॉ अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
7. डॉ ललिता एस. धुप्या (संयोजक)
8. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
9. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
10. डॉ. गुजंन (सदस्य)
11. डॉ. निर्मला तापड़िया (सदस्य)
12. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
13. श्रीमती चन्द्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. श्री रतन चन्देल (कार्यालय प्रशासक)
15. सुश्री नैना सोनी (कार्यालय प्रशासक)

इस परिषद की प्रथम बैठक दिनांक 13.07.2017 को प्राचार्य कक्ष में आयोजित की गई । प्राचार्य डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और कहा कि इस परिषद् का मूल उद्देश्य स्टॉफ द्वारा छात्राध्यापिकाओं की सत्र पर्यन्त सभी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से सम्पन्न करवाना है, तथा वर्ष 2017–2018

में प्रारम्भ होने वाले पाठ्यक्रम बी.ए.बी.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम के बारे में अवगत करवाया । तत्पश्चात् डॉ. धुप्या ने 2016–2017 की गतिविधियों पर प्रकाश डाला और कहा कि–

1. सत्र 2016–2017 में बी.एड. द्वितीय वर्ष की वार्षिक सैद्वान्तिक परीक्षा 16 मई 2017 से 10 जुलाई तक तक सम्पन्न करवाई गई ।
2. वर्षभर की गतिविधियों का सुसंचालन विभिन्न कमेटियों के माध्यम से व्यवस्थित तरीके से किया गया ।
3. पुस्तकालय में नवीन दो वर्षीय पाठ्यक्रम के अनुरूप शीघ्र पुस्तकें छपने पर मंगवाई जाएंगी तथा बी.ए.बी.एड. की पुस्तकें भी अतिशीघ्र मंगवाई जाएंगी ।
4. महाविद्यालय में समय–2 पर योग कक्षाएँ लगवाई गई तथा वृक्षारोपण भी पर्यावरण सुरक्षा व संरक्षण की दृष्टि से किया गया ।
5. छात्राओं की समस्याओं का समाधान शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के माध्यम से किया जाता है ।
6. महाविद्यालय के विकास हेतु छात्रा–परिषद का विधिवत गठन भी किया जाता हैं ।
7. महाविद्यालय की भौतिक सुविधाओं के विकास हेतु समय–समय पर ध्यान दिया जाता हैं जिसके अन्तर्गत कक्षाओं में हवा व प्रकाश की समुचित व्यवस्थाएँ, पर्याप्त मात्रा में सफेद बोर्ड लगे कमरे, छात्राओं हेतु कामन रूम की व्यवस्था, स्वच्छ व शीतल जल सुविधा हेतु शौचालय आदि उपलब्ध है ।
8. प्रभावी निर्देशन व परामर्श कमेटी का गठन किया गया है जिसके माध्यम से छात्राओं को मार्गदर्शन किया जाता है उनकी केस स्टेडी कर समस्या समाधान हेतु उचित परामर्श दिया जाता है ।
9. आई.सी.टी. के उपयोग पर पर्याप्त बल दिया जाता हैं।
10. विभिन्न विशयों के क्लब का गठन किया गया जिसमें विभिन्न गतिविधियॉ संचालित की गई–सामाजिक अध्ययन क्लब, भाषा क्लब, विज्ञान क्लब, गृह विज्ञान क्लब आदि
11. महाविद्यालय में स्थापना कमेटी (Placement Cell) भी स्थापित की गई जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं को रोजगार दिलाने में मदद की जाती हैं ।
12. समय–2 पर बाहरी शिक्षाविदो, विशेषज्ञों को बुलाकर प्रसार व्याख्यान व कार्य शालाओं का आयोजन किया जाता है ।

सभी सदस्यों ने उपरोक्त कियाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर आगामी वर्ष में महाविद्यालय के आंतरिक कार्यो के उन्नयन हेतु निम्न तथ्यों पर प्रकाश डाला–

1. इस सत्र में प्रवेश कार्य देरी से होने तथा द्विवशीय बी.एड. पाठ्यक्रम के अनुरूप पर्याप्त पुस्तकें न होने व चार वर्षीय बी.ए.बी.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम प्रारम्भ होने से शिक्षण प्रकिया पर अधिक ध्यान देने व उसे अधिक प्रभावी बनाने को कहा गया ।
2. छात्राओं के प्रायोगिक कार्य के अन्तर्गत एक सप्ताह के निरीक्षण कार्य को प्रभावी बनाया जाएं तथा विद्यालयों की अन्य गतिविधियों A- एक माह की प्रीइन्टर्नशीप B- चार माह की इन्टर्नशिप की विभिन्न गतिविधियों के बारे में छात्राओं को भी प्रकार से प्रशिक्षण दिया जाएं ।
3. महाविद्यालय गतिविधियों को संचालन सत्र भर की पूर्व योजना निर्धारित कर उसके अनुरूप किया जाएँ ताकि कोई भी गतिविधियॉ सम्पन्न होने से रह न जाएँ
4. सामुदायिक गतिविधियों को संचालन किया जाए ताकि महाविद्यालय समाज की अपेक्षाओं को भी पूरा करने सक्षम हो ।
5. छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं जैसे नेट, स्लेट तथा यू.जी.सी. की परीक्षाओं के बारे में प्रोत्साहित किया जाए ।
6. महाविद्यालय की छात्राएँ विश्वविद्यालय वरीयता सूची के स्थान प्राप्त कर सके इस हेतु शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाने के प्रयास किये जाए ।
7. छात्राओं को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ सहशैक्षिक अन्य गतिविधियों में ज्यादा से ज्यादा भाग लेने को प्रोत्साहित किया जाएं ।
8. महाविद्यालय स्टॉफ को दूसरे महाविद्यालयों के सेमीनार, कार्य ालाओं में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया ।
9. समय–समय पर स्टॉफ सदस्यों का निरीक्षण कर उनके नैतिक मूल्यों के विकास पर भी ध्यान दिया जाएं ।

अंत में प्राचार्य डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी को इन सुझावों को अपनाने का आ वासन देकर महाविद्यालय के कार्यो की गुणवत्ता को सुधारा जाएगा तथा महाविद्यालय को अधिकाधिक विकास की ओर अग्रसर किया जाएगा यह कहकर सबको धन्यवाद दिया और मीटिंग को समाप्त किया ।

प्राचार्य
श्रीमती भंवरकंवर बैरवा महाविद्यालय
पहिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
दौसा, भांडारेज (दौसा)

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, महिला आश्रम, भीलवाड़ा (राज.)

I.Q.A.C. Session 2017-2018

Internal Quality Assurance Cell

आन्तरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद

(द्वितीय बैठक)

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, की गठित आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद् शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने, छात्राध्यापिकाओं को उत्तम गुणवत्ता युक्त प्रभावी शिक्षा प्रदान करने, उनका सर्वागींण विकास करने, अध्यापक शिक्षा की बहुआयामी विकास कर उसके स्तर को बढ़ाने में निरन्तर प्रत्यनशील है । इस परिषद में निम्नलिखित सदस्य है–

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य, मैनेजमेन्ट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्ता)
4. श्री महावीर प्रसाद त्रिपाठी (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. श्री शरद कुमार रजनी (अभिभावक प्रतिनिधि)
6. डॉ अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
7. डॉ ललिता एस. धुप्या (संयोजक)
8. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
9. डॉ. शशि पाण्ड्ेय (सदस्य)
10. डॉ. गुजंन (सदस्य)
11. डॉ. निर्मला तापड़िया (सदस्य)

11.सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)

12.श्रीमती चन्द्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)

13.श्री रतन चन्देल (कार्यालय प्रशासक)

14.सुश्री नैना सोनी (कार्यालय प्रशासक)

इस परिषद की द्वितीय बैठक दिनांक 29.09.2017 को प्राचार्य कक्ष में आयोजित की गई । प्राचार्य डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी सदस्यों का स्वागत किया

और कहा कि इस परिषद् का मूल उद्देश्य स्टॉफ द्वारा छात्राध्यापिकाओं की सत्र पर्यन्त सभी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से सम्पन्न करवाना है, तथा वर्ष 2017–2018 में प्रारम्भ होने वाले पाठ्यक्रम बी.ए.बी.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम के बारे में अवगत करवाया । तत्पश्चात् डॉ. धुप्या ने पूर्व में सम्पन्न हुई कुछ गतिविधियों पर प्रकाश डाला और कहा कि–

01. बी.एड. प्रथम वर्ष व बी.ए.बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्राओं के प्रवेश कार्य जुलाई माह में सम्पन्न हो गएं है।

02- छात्राओं का शिक्षण कार्य का प्रारम्भ अनुस्थापन कार्यक्रम (Orientation Programme) से किया गया जिसमे छात्राओं को बी. एड. दो वर्षीय पाठ्यक्रम के बारे में समझाया गया।

03- वर्षभर की गतिविधियों के संचालन हेतु विभिन्न कमेठियों का गठन किया गया।

04- बी.ए.बी.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम हेतु आगामी कक्षाओं की पुस्तके तथा संदर्भ पुस्तकें पुस्तकालय में मंगवाई गई।

05- महाविद्यालय में आंतरिक परीक्षा वाले प्रश्न पत्रों के प्रायोगिक तथा सैद्धान्तिक परीक्षा पाठ्यक्रम की कक्षाएं भी प्रारम्भ हो चुकी है।

06- नव प्रवेशित छात्राओं को फ्रेशर पार्टी दी जाती है।

07- छात्राओं की समस्याओं का समाधान तथा उन्हें परामर्श देने का कार्य शिकायत निवारण प्रकोष्ठ तथा निर्देशन और परामर्श प्रकोष्ठ के माध्यम से किया जाता है।

08. महाविद्यालय में सुसंचालन की दृष्टि से छात्रा परिषद् का गठन विधिवत निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप भी किया जा चुका है तथा इनके मार्गदर्शन हेतु छात्रा परिषद् परामर्श दात्री भी बनाई गई हैं।

09- महाविद्यालय में समय–समय पर योग कक्षाएं, कम्प्यूटर कक्षाएं लगाई जाती हैं।

10. महाविद्यालय में स्थापना कमेटी (Placement Cell) द्वारा स्थानीय विद्यालयों में कई पूर्व छात्राओं को रोजगार दिलाने में मदद गई है।

11- छात्राओं के शिक्षण कार्य हेतु प्र्याप्त मात्रा में सुविधाएं जैसे हवा, प्रकाश युक्त कक्षा–कक्ष, स्वच्छ व शीतल जल, कॉमन रूम, प्रयोगशालाएं, विभिन्न विषयों के क्लब द्वारा समय–समय पर गतिविधियों का आयोजन करवाया जाता हैं।

सभी सदस्यों ने उपरोक्त कियाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के पश्चात् सत्र के आगामी समय में महाविद्यालय के उन्नयन हेतु जिन बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया वे इस प्रकार से है–

01. बी.ए. बी. एड. में कम उम्र की छात्राओं के होने के कारण उन पर विशेष ध्यान दिया जाए।

02. कक्षाओं में प्राचार्य द्वारा समय समय पर निरीक्षण कर यह पता किया जाएं कि पाठ्यक्रम का अध्ययन ठीक से समय के अनुरूप हो रहा है या नही।

03. पूर्ण प्रशिक्षित व योगय व अनुभवी अध्यापकों के निर्देशन मे प्रभावी शिक्षण कार्य करवाया जाएं।

04. छात्राओं के सर्वागीण विकास हेतु अन्य गतिविधियों के आयोजन पर भी ध्यान दिया जाएं।

05. महाविद्यालय में शोध कार्य व पत्र प्रकाशन हेतु स्फाफ सदस्यों को प्रोत्साहित किया जाएं।

06. छात्राओं के एक माह की प्रीइन्टर्नशीप व चार माह की इन्टरर्नशीप की विभिन्न गतिविधियों की विधिवत जानकारी देकर उसे प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाएं।

07. इन्टरर्नशीप हेतु नई प्रायोगिक पुस्तिकाएं प्रिन्ट करवाई जाएंगी।

08. स्टाफ सदस्यों के शैक्षिक व नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएं।

09. महाविद्यालय के उन्नयन हेतु सेमीनार, विद्वान जनों के भाषण, कार्यशालाओं आदि का आयोजन आदि करवाएं जाएं।

10. समुदायिक गतिविधियों का आयोजन करवाया जाएं ताकि महाविद्यालय का समाज से सम्पर्क बना रहे और समाज की अपेक्षाओं को पूरा करने में मदद मिल सके।

11. स्टाफ व छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में प्रोत्साहित किया जाएं।

12. महाविद्यालय में उपचारात्मक शिक्षण की कक्षाएं लगाकर इस तरह की छात्राओं को आगे बडाने में सहायता की जाए।

13. छात्राओं की व्यक्तिगत, पारिवारिक, शैक्षिक समस्याओं पर ध्यान देकर उन्हें दूर करने के प्रयास किए जाएं।

अंत में प्राचार्य डॉ. अणिमा पुरोहित ने सभी को इन सुझावों को अमल में लाने का आश्वासन देकर महाविद्यालय के कार्यो की गुणवत्ता को सुधारा जाएगा तथा महाविद्यालय को अधिकाधिक विकास की ओर अग्रसर किया जाएगा यह कहकर सबको धन्यवाद दिया और मीटिंग को समाप्त किया ।

प्राचार्य
श्रीमती नारायणी देवी वर्मा
महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
मकिना ''श्रम, झालावाड़ा (राज.)

I.Q.A.C. Session 2017-2018

Internal Quality Assurance Cell

(आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

तृतीय बैठक

आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद् (I.Q.A.C.) Session 2017-2018 की तृतीय मीटिंग दिनांक 16 फरवरी 2018 को आयोजित हुई उसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे –

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री महावीर प्रसाद त्रिपाठी (अभिभावक प्रतिनिधि)

   (B) श्री शरद कुमार रजनी (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुपिया (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
12. श्रीमती हंसा भुवालिया (सदस्य)
13. श्रीमती चंद्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. श्री रतन चन्देल (कार्यालय सहायक)
15. सुश्री नैना सोनी (कार्यालय सहायक)

सर्वप्रथम प्राचार्या जी ने सभी का स्वागत किया तथा सत्र् 2017–2018 में मींटिग से पूर्व सम्पन्न हुए कार्यो की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि –

01. विश्वविद्यालय के नियमानुसार महाविद्यालय में सम्पन्न होने वाली सभी गतिविधियां निर्धारित महाविद्यालय पंचांग के अनुरूप संचालित की गई।
02. शिक्षण अभ्यास को अधिक प्रभावी बनाने हेतु विद्यालयों के प्राचार्यो से छात्राओं को निर्देशन दिया जाने लगा तथा विषयाध्यापक भी मार्गदर्शन करने लगे है।

03. विश्वविद्यालय के निर्धारित नियमों के अनुसार महाविद्यालय में अन्तर सदनीय प्रतियोगिताएं सम्पन्न करवाई गई। अन्य महाविद्यालय में होने वाली इन प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की छात्राओं ने एथेलेटिक्स, वाद विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया तथा स्थान प्राप्त कर पारितोषिक प्राप्त किए है।
04. बी.ए., बी.एड. प्रथम वर्ष की आंतरिक मूल्यांकन हेतु प्रथम सामयिक परीक्षा आयोजित करवाई गई तथा ओरल प्रजेण्टेशन तथा सत्रीय कार्य छात्राओं को आंवटित कर उनका मूल्यांकन कार्य सम्पन्न करवाया जा रहा है।
05. सभी विषयों में लगभग 85 प्रतिशत पाठ्यक्रम पूरे हो गए है और कोर्स पढ़ाये जा रहे है।
06. प्राचार्या द्वारा स्टाफ सदस्यों के कार्यो का समय –समय पर निरीक्षण किया जाता है जैसे छात्राओं के मौखिक प्रदर्शन का, सूक्ष्म शिक्षण कक्षाओं का, प्रदर्शन पाठो का, नियमित कक्षा शिक्षण का आदि, तथा इन्हें अधिक प्रभावी बनाने हेतु समय–समय पर निर्देश भी दिये जाते है।
07. शिक्षण अभ्यास का कार्यशाला दर्पण के अनुसार 4 अक्टूम्बर से प्रारम्भ होकर फरवरी माह तक कुल 96 कार्य दिवसों में पूर्ण होगा अब केवल आन्तरिक व बाह्य प्रायोगिक परीक्षा ही सम्पन्न करवानी शेष रही हैं ।
08. छात्राओं को दिसम्बर माह तक सभी विषयों के सत्रीय कार्य आवंटित कर दिये गये है।
09. महाविद्यालय में 24.11.2017 को प्रसार व्याख्यान का आयोजन भी किया गया है। सामुदायिक गतिविधियों के अन्तर्गत हमने नुक्कड़ नाटक का आयोजन करवाया गया, छात्राओं को मूक बधिर विद्यालय और सोना मन्द बुद्धि विकास केन्द्र का भ्रमण करवाकर उन बालकों के शैक्षणिक व मनोरंजनात्मक गतिविधियों से अवगत करवाया गया।
10. साम्प्रदायिक सद्भाव संस्थान को इस वर्ष भी सहयोग राशि एकत्र कर भिजवाई गई।
11. छात्राओं को पुस्तकालय का लाभ उठाने हेतु दो–दो कार्ड दे दिये गये है तथा नए सत्र में नवीन पाठ्यक्रम के अनुरूप कई पुस्तके मंगवाई गई तथा बी.ए.बी.एड. पाठ्यक्रम की पुस्तके भी मंगवाई गई।
12. प्रथम वर्ष की छात्राओं के एक सप्ताह की कला व सौन्दर्य से संबंधित वर्क शॉप भी आयोजित करवाई गई। जिसमें चित्रकला, संगीत व नाट्यकला का प्रदर्शन किया गया।
13. सांस्कृतिक व साहित्यिक प्रतियोगिताएं अब करवानी है खेलकूद संबंधी कुछ प्रतियोगिताएं फरवरी माह के दूसरे सप्ताह के तीन दिनों में सम्पन्न करवाई गई है।
14. आंतरिक मूल्यांकन का एक परख हो चुका है और द्वितीय परख ग्रीष्मावकाश से पूर्व करवाया जाएगा।
15. शैक्षणिक कार्यो के अन्तर्गत नियमित कक्षाओं के साथ–साथ ऑपन एयर सेशन, एस.यू.पी.डब्ल्यू. कार्य शेष है। इन्हें मार्च माह में करवा दिये जाएंगे।

इन क्रियाओं की जानकारी के साथ ही इस मीटिंग में आगे विकास करने हेतु अन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु चर्चा की गई जो इस प्रकार से है –

01. महाविद्यालय में छात्राओं के वार्षिक परीक्षा हेतु कोई परेशानी न आएं इस हेतु व्यवस्था की जाए। नो ड्यूज, प्रवेश पत्र, पुस्तकालय सुविधा आदि प्राप्त करने की सामान्य जानकारी व पूछताछ हेतु अलग से काउण्टर की व्यवस्था की जाएं।
02. महाविद्यालय में विभिन्न क्षेत्र के विद्वानों को आमंत्रित कर प्रसार व्याख्यानों के साथ–साथ कार्य शालाओं (work shop) और राष्ट्रीय सेमिनारों का भी आयोजन करवाया जाएं।
03. प्रायोगिक परीक्षा के स्तर को सुधारने हेतु विशेष अध्ययन कर छात्राओं को उचित निर्देशन देकर मार्ग प्रदर्शन किया जाएं।
04. छात्राओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करने व कुशल अध्यापिका बनाने हेतु उचित मानवीय गुणों का विकास करने हेतु अन्य गतिविधियां संचालित की जाएं।

05. विश्वविद्यालय परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से बिना किसी व्यवधान के सम्पन्न हो सके इस हेतु उचित व्यवस्था की जायेगी।

06. पूर्व छात्राओं और नई छात्राओं में मेल–जोल हो वे कॉलेज की जानकारियों से अवगत हो सके, विकास को उन्मुख करने में मदद कर सके इस हेतु भूतपूर्व छात्रा परिषद का संगठन किया गया उसकी मीटिंग बुलाई जाएंगी जिसमें उनका गेट टूगेदर कर सांस्कृतिक साहित्यिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

07. महाविद्यालय की प्रगति, संचालन इत्यादि के बारे में अभिभावकों से भी जानकारी प्राप्त की जाएं ताकि स्वयं के मूल्यांकन में मदद मिल सके तथा भावी योजनाओं का प्रभावी निर्माण हो सके।

08. महाविद्यालय पत्रिका प्रतिभा के आगे प्रकाशन हेतु छात्राओं व स्टाफ के आर्टिकल एकत्रित किए जाएंगे।

उपरोक्त बिन्दुओं पर ध्यान देकर भविष्य में उन्हें अमल में लाने का आश्वासन देने के पश्चात् मीटिंग मेंउपस्थित सभी सदस्यों का संयोजक ने धन्यवाद प्रेषित कर मीटिंग को समाप्त किया।

प्राचार्य
श्रीमती नारायणी देवी वर्मा
महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
महिला आश्रम, भीलवाड़ा (राज.)

I.Q.A.C. Session 2017-2018

Internal Quality Assurance Cell

(आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद)

चतुर्थ बैठक

श्रीमती नारायणी देवी वर्मा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, की गठित आन्तरिक गुणवत्ता परिषद शिक्षक शिक्षा को प्रभावी बनाने, छात्राध्यापिकाओं को उत्तम गुणवता युक्त प्रभावी शिक्षा प्रदान करने, उनका सर्वांगीण विकास करने, अध्यापक शिक्षा का बहुआयामी विकास करने के लिए आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन परिषद् (I.Q.A.C.) Session 2017-2018 की चतुर्थ मीटिंग दिनांक 5 मई 2018 को प्राचार्य कक्ष में किया गया जिसमे निम्नाकिंत सदस्य उपस्थित थे–

1. श्रीमती वन्दना माथुर (चेयरमेन)
2. श्री वी.पी. माथुर (सदस्य मैनेजमेंट)
3. श्री प्रमोद तिवारी (सामाजिक कार्यकर्त्ता)
4. (A) श्री महावीर प्रसाद त्रिपाठी (अभिभावक प्रतिनिधि)

   (B) श्री शरद कुमार रजनी (अभिभावक प्रतिनिधि)
5. डॉ. अणिमा पुरोहित (प्राचार्य)
6. डॉ. ललिता एस. धुपिया (संयोजक)
7. डॉ. रेखा गौड़ (प्रशासक)
8. डॉ. शशि पाण्डेय (सदस्य)
9. डॉ. गुंजन (सदस्य)
10. श्रीमती निर्मला तापड़िया (सदस्य)
11. सुश्री ममता उचेनिया (सदस्य)
12. श्रीमती हंसा भुवालिया (सदस्य)
13. श्रीमती चंद्रकला सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष)
14. श्री रतन चन्देल (कार्यालय सहायक)

15सुश्री नैना सोनी (कार्यालय सहायक)

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अणिमा पुरोहित ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए मीटिंग का शुभारम्भ किया और कहा कि मीटिंग का मूल उद्देश्य आगामी वर्षो में संस्था की गुणवता को बढाना है इस हेतु मीटिंग के सुझावों को तत्परता से कियान्वित किया जाएगा। इसके पश्चात डॉ ललिता एस धुप्या ने सत्र 2017–2018 में सम्पन्न हुए कार्यो को बताया जो इस प्रकार से हैं।

01. सत्र भर के सभी कार्य व्यवस्थित तरीके से विभिन्न कार्यो की समितियों व छात्रा–परिषद का गठन करने किया गया।

02. इस सत्र में प्रो. आर. के तम्बोली जी का व्याख्यान विमुद्रीकरण का सामाजिक व आर्थिक प्रभाव विषय पर करवाया गया।

03. बेटी बचाओं आन्दोलन पर डॉ सी.पी. गोस्वामी का प्रसार व्याख्यान कररवाया गया तथा छात्राओं में जागरूकता हेतु उन्हें शपथ भी दिलवाई गई।

04. सभी की समान कानूनी अधिकार विषय पर श्री प्रहलाद राय व्यास अधिवक्ता का प्रसार व्याख्यान करवाया गया।

05. महाविद्यालय में सत्रभर में बीच–बीच में कार्यक्रम निर्धारित कर सहशैक्षिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेलकूद व गृह विज्ञान संबंधी प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गई।

06. सांस्कृतिक धरोहर को मध्य नजर रखते हुए नवरात्रि में एक दिवसीय डाण्डिया प्रतियोगिता, मार्च में होली मिलन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

07. छात्राओं की कला व सौन्दर्य विषय पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

08. बी. एड. की छात्राओं के आंतरिक मूल्यांकन का परख व सत्रीय कार्य निर्धारित समय पर आयोजित करवाये गये ।

09. बी.ए. बी. एड. की छात्राओं के ओरल प्रजेन्टेशन, सत्रीय कार्य व एक परख शीतकालीन अवकाश से पूर्व व दूसरा परख अपैल माह में आयोजित करवाया गया।

10. इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया कि सभी विषयों का पाठ्यक्रम समय से कुछ पहले पूरा हो ताकि दोहराने का कार्य किया जा सके।

11. ओपन एयर सेशन का भी आयोजन मार्च माह में करवाया गया।

आगे के सभी कार्य विश्वविद्यालय की सूचना के अनुरूप सम्पन्न किये जाऐंगे।

उपरोक्त तथ्यों की जानकारी के पश्चात् सभी सदस्यों के समक्ष आगामी योजना के कियान्वयन हेतु निम्न सुझाव प्रस्तुत किये गये।

01. विश्वविद्यालय की द्वितीय वर्ष की प्रायोगिक परीक्षा व सैद्धांतिक परीक्षा का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली तिथियों पर निर्धारित नियमानुसार व्यवस्थित क्रमबद्ध तरीके से करवायी जाए।

02. परीक्षा में सुरक्षा व्यवस्था का पूरा पूरा ध्यान रखा जाएगा। इस हेतु एस. पी. सा. को पुलिस व्यवस्था करवाने हेतु समय पर प्रार्थना पत्र प्रेषित कर दिया जाएगा।

03. स्टाफ सदस्यों को आगामी सत्र के लिये क्रमबद्ध योजना बनाकर नई स्फूर्ति व ऊर्जा के साथ कार्य करने को प्रेरित किया जाएगा।

04. आगामी प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु पी.टी.ईटी. द्वारा निर्धारित लिस्ट से पूर्व कार्यक्रम तय करके किया जाएगा।

05. नई छात्राओं को प्रवेश कार्य में कोई परेशानी का सामना न करना पडे इस हेतु नोटिस बोर्ड पर सारी जानकारी चस्पा करवा दी जाएगी और एक पूछताछ काउण्टर की व्यवस्था भी की जाए।

06. छात्राओं के डॉक्यूमेंट चैक करवाने हेतु बी. एड. व बी. ए. बी. एड. दोनो के लिये अलग अलग कक्षों में व्यवस्था की जाएंगी

07. अभिभावकों हेतु भी अलग से बैठक व्यवस्था की जाएगी।

08. स्टाफ सदस्यों को अपनी शैक्षिक उपलब्धि बढाने हेतु प्रोत्साहित कर हर सम्भव सहायता प्रदान की जाएंगी।

09. स्टाफ सदस्यों को सेमीनार,वर्कशॉप में भाग हेतु प्रेरित किया जाएगां।

10. इस सत्र की भांति आगामी सत्र में भी विद्वानजनों के प्रसार व्याख्यान आयोजित किये जाएगे।

11. महाविद्यालय की स्वच्छता का पूर्णध्यान रखा जाएंगा।

12. छात्राओं की शिक्षण कार्य में रूचि जागृत करने हेतु उन्हें प्रेरित किया जाएगा, अनुशासन व नियमित अध्ययन की, आदत का विकास करने व पुस्तकालय के महत्व के बारे में बताया जाएगा।

13. आगामी सत्र के सभी कार्य योजनाबद्ध तरीके से महाविद्यालय पंचाग बनाकर, विभिन्न कार्यो की समितियों का गठन कर चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।
14. शिक्षण उन्नयन हेतु कक्षाओं का समय समय पर अवलोकन कर उचित दिशा निर्देशन दिये जाएगे।
15. सहगामी कियाओं का व्यवस्थित आयोजन कर छात्राओं के सर्वागीण विकास का विशेष ध्यान दिया जाएगा।
16. सामुदायिक कार्य का आयोजन किया जाएगा ताकि समाज के अपेक्षाओं के अनुरूप सामाजिक मूल्यों का विकास किया जा सके और महाविद्यालय की अपेक्षाओं को भी समाज तक हस्तांतरित किया जा सकेगा।
17. महाविद्यालय के गुणात्मक उन्नयन हेतु अधिकाधिक प्रयास किये जाएगे।

अंत मे प्राचार्य जी द्वारा उपरोक्त सभी सुझाओ को अपनाने का आश्वासन दिया गया और सभी को धन्यवाद देकर मीटिंग को समाप्त किया गया।

प्राचार्य
श्रीमती नरायणी देवी वर्मा
महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
महिला आश्रम, धमतरी (छ.ग.)